



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

Media/Publication	Orissa Dairy		
Date	29 th February, 2024	Language	English
Headline	National Science Day At IIT Bhubaneswar		
Link	https://orissadiary.com/national-science-day-at-iit-bhubaneswar/		

Bhubaneswar : Indian Institute of Technology (IIT) Bhubaneswar celebrated National Science Day on 28th February 2024, commemorating the invention of the Raman Effect by the Indian physicist and Nobel Laureate Sir C.V. Raman. Distinguished Scientist, Dr. Ramanuj Narayan, Director of Institute of Minerals and Materials Technology (IMMT) and Outstanding Professor of Academy of Scientific & Innovative Research (AcSIR) graced the occasion as Chief Guest and delivered a talk on the title “Simple and Innovative Chemistry for Sustainable Technologies”.

Speaking on the theme of the year ‘Indigenous Technologies for Viksit Bharat’, Dr. Ramanuj Narayan began by summarizing key learnings from the life of C. V. Raman, namely – intense curiosity about the world and confidence in the ability of the Indian brain. Next, he underscored the critical role science and technology play in tackling global challenges and creating a more sustainable future for all. He stressed on economy in the use of raw materials, minimum use of energy and easy to recycle under ambient conditions to attain sustainability. In this context, he elaborately narrated the philosophy behind the development of sustainable, smart and long-lasting ‘paints, coatings and polymers’ that provide protective properties and are capable of actively responding to the environment in a functional and predictable manner. With examples of the durable creations of ancient India, he mentioned that innovative chemistry and science-based solution are the key for development and sustainability. He cited various undergoing research and development projects taken up in this field of chemistry and also presented some case studies valuable for start-ups and future entrepreneurs. In his address, Prof. Shreepad Karmalkar, Director, IIT Bhubaneswar highlighted



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

the takeaways from the memorable talk for all the segments of the audience, namely – ITEP students, start-up aspirants, research scholars and teachers. He said the talk brought out the importance of several aspects in nurturing innovation. These include quality school education, instruction in mother tongue, keen observation in experimental work, multidisciplinary nature of all practical problems, and communicating discoveries in simple terms to a non-specialist audience. The talk also removed misperceptions regarding not-so-sought-after areas like chemistry and metallurgy. At the outset, Prof. Chandrashekhar Narayan Bhende, Dean-Post Graduate & Research Programmes, IIT Bhubaneswar delivered the welcome address and introduced the chief guest.

The members of faculty, staff, students and residents of the Institute attended the programme in a large number.



Media/Publication	Azad Sipahi		
Date	30 th February, 2024	Language	Hindi
Headline	National Science Day At IIT Bhubaneswar		

आइआईटी भुवनेश्वर में मनाया गया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

नवीन रसायन विज्ञान और विज्ञान-आधारित समाधान विकास और स्थिरता की कुंजी हैं : डॉ. रामानुज नारायण विकास और संवहनीयता के लिए नवोन्मेषी रसायन विज्ञान तथा विज्ञान-आधारित समाधान पर हुई

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर ने भारतीय भौतिक वैज्ञानिक और नोबेल पुरस्कार विजेता सर सीवी द्वारा रमन इफेक्ट के आविष्कार की स्मृति में 28 फरवरी 2024 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया।

इस अवसर पर प्रतिष्ठित वैज्ञानिक तथा खनिज और सामग्री प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक और वैज्ञानिक और नवीन अनुसंधान अकादमी (एसीएस आईआर) के उत्कृष्ट प्रोफेसर डॉ. रामानुज नारायण ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज की और सतत



प्रौद्योगिकियों के लिए सरल और नवीन रसायन विज्ञान शीर्षक पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया।

इस उपलक्ष्य पर वर्तमान वर्ष की थीम विकसित भारत के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी पर बात करते हुए डॉ. रामानुज नारायण ने सी. वी. रमन के जीवन से मिली प्रमुख सीखों का सारांश देते हुए शुरुआत की। उन्होंने विश्वास, वैश्विक चुनौतियों से निपटने और सभी के लिए उन्नत भविष्य के निर्माण में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने स्थिरता प्राप्त करने के लिए कच्चे माल के उपयोग में मितव्ययिता, ऊर्जा के न्यूनतम उपयोग और परिवेशीय परिस्थितियों में रीसाइक्लिंग प्रक्रिया पर जोर दिया। इस इसी संदर्भ को

स्पष्ट करते हुए, उन्होंने उन्नत, स्मार्ट और लंबे समय तक चलने वाले पेंट, कोटिंग्स और पॉलिमर के विकास के महत्व को विस्तार से बताया जो सुरक्षात्मक गुण प्रदान करने के साथ-साथ कार्यात्मक और पूर्वानुमानित तरीके से पर्यावरण के प्रति सक्रिय रूप से प्रतिक्रिया करने में सक्षम हैं। प्राचीन भारत की उन्नतशील संरचनाओं के उदाहरणों के साथ, उन्होंने उल्लेख किया कि नवीन रसायन विज्ञान और विज्ञान-आधारित समाधान विकास और स्थिरता की कुंजी हैं। उन्होंने रसायन विज्ञान के इस क्षेत्र में चल रहे विभिन्न अनुसंधान और विकास परियोजनाओं का हवाला देते हुए स्टार्ट-अप और भविष्य के उद्यमियों के लिए मूल्यवान संबंधी

कुछ प्रत्यक्ष उदाहरण भी प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में, आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. श्रीपाद करमलकर ने मुख्य अतिथि की मूल बातों का सारांश प्रस्तुत किया और कहा इसमें यहां मौजूद सभी दर्शकों तथा सभी वर्गों के लिए कुछ उपयोगी बातें थीं। उन्होंने रसायन विज्ञान और धातु विज्ञान जैसे विज्ञान के कुछ कम मांग वाले क्षेत्रों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सभी आशंकाओं को दूर करने के लिए डॉ. नारायण की सराहना की। उन्होंने अनुसंधान और प्रयोग-उन्मुख मानसिकता के विकास के लिए किये जा रहे अभिनव प्रयास के महत्व पर भी जोर दिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में, प्रोफेसर चंद्रशेखर नारायण भेंडे, डीन- पोस्ट ग्रेजुएट एंड रिसर्च प्रोग्राम्स, आईआईटी भुवनेश्वर ने स्वागत भाषण दिया और मुख्य अतिथि का परिचय दिया। कार्यक्रम में संस्थान के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, छात्रों और निवासियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की।



Media/Publication	The Prameya		
Date	30 th February, 2024	Language	Odia
Headline	National Science Day At IIT Bhubaneswar		

ଜାତୀୟ ବିଜ୍ଞାନ ଦିବସ ପାଳିତ

କଟକ, ୨୯/୨(ଆପ୍): କଟକସ୍ଥିତ ଆଇଆଇଟିରେ ବୁଧବାର ଜାତୀୟ ବିଜ୍ଞାନ ଦିବସ ପାଳିତ ହୋଇଥିଲା। ଏହି ଅବସରରେ ସରଳ ଓ ସ୍ଥାୟୀ ପ୍ରଯୁକ୍ତି ବିଦ୍ୟା ପାଇଁ ରସାୟନ ବିଜ୍ଞାନର ଅଭିନବତ୍ୱ ବିଷୟ ଉପରେ ଅତିଥିମାନେ ବକ୍ତବ୍ୟ ରଖିଥିଲେ। ଏଥିରେ ଆଇଏମ୍‌ଏମ୍‌ଟି ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ତଥା ଏସ୍‌ଏସ୍‌ଆର୍‌ର ପ୍ରଫେସର ଡ.ରାମାନୁଜ ନାରାୟଣ ମୁଖ୍ୟଅତିଥି ଭାବେ ଯୋଗଦେଇ ବିଶ୍ୱସ୍ତରାୟ ଆହ୍ୱାନର ମୁକାବିଲା ତଥା ସମସ୍ତଙ୍କ ପାଇଁ ଅଧିକ ସ୍ଥାୟୀ ଭବିଷ୍ୟତ ସୃଷ୍ଟି କରିବାରେ ବିଜ୍ଞାନ ଓ ପ୍ରଯୁକ୍ତିବିଦ୍ୟା ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ଭୂମିକା ଗ୍ରହଣ କରିଛି ବୋଲି କହିଥିଲେ। କଂଟାମାଲର ମିତବ୍ୟୟା ବ୍ୟବହାର, ସର୍ବନିମ୍ନ ଶକ୍ତି ବ୍ୟବହାର ଓ ନିରନ୍ତର ବିକାଶ

ହାସଲ ପାଇଁ ପୁନଃ ବ୍ୟବହାର ତଥା ପୁନରୁତ୍ଥାନ ଉପରେ ଗୁରୁତ୍ୱାରୋପ କରିଥିଲେ। ଆଇଆଇଟି ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ପ୍ରଫେସର ଶ୍ରୀପାଦ କରମଲକର କହିଥିଲେ ନୂତନତ୍ୱ ପ୍ରତିପୋଷଣରେ ଅନେକ ଦିଗର ଗୁରୁତ୍ୱ ଦିଆଯାଉଛି। ଏହା ମଧ୍ୟରେ ଗୁଣାତ୍ମକ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଶିକ୍ଷା, ମାତୃଭାଷାରେ ଶିକ୍ଷା, ପରାମ୍ପାମୂଳକ କାର୍ଯ୍ୟରେ ତୀକ୍ଷଣ ନଜର, ସମସ୍ତ ବ୍ୟବହାରିକ ସମସ୍ୟାର ବହୁମୁଖୀ ପ୍ରକୃତି ଓ ଅଣବିଶେଷଜ୍ଞ ଦର୍ଶକଙ୍କ ନିକଟରେ ଆବିଷ୍କାରକୁ ସରଳଭାଷାରେ ଯୋଗାଯୋଗ ଅନ୍ତର୍ଭୁକ୍ତ ବୋଲି କହିଥିଲେ। ଡିନ୍-ପୋଷ୍ଟ ଗ୍ରାଜୁଏସନ୍ ଆଣ୍ଡ ରିସର୍ଚ୍ଚ ପ୍ରୋଗ୍ରାମ ଅଫିସର ଚନ୍ଦ୍ରଶେଖର ନାରାୟଣ ଭେଣ୍ଡେ ସ୍ୱାଗତ ଭାଷଣ ଦେଇଥିଲେ।



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

Media/Publication	The Samaja		
Date	30 th February, 2024	Language	Odia
Headline	National Science Day At IIT Bhubaneswar		

ଆଇଆଇଟିରେ ଜାତୀୟ ବିଜ୍ଞାନ ଦିବସ

ବିଜ୍ଞାନ ଭିତ୍ତିକ ସମାଧାନ ଓ ବିକାଶକୁ ଗୁରୁତ୍ୱ

କଟକ, ୨୯/୨ (ବି.ପ୍ର): ଆଇଆଇଟି ପରିସରରେ ଜାତୀୟ ବିଜ୍ଞାନ ଦିବସ ପାଳିତ ହୋଇଯାଇଛି । ଆଇଆଇଟିଏମ୍‌ର ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ପ୍ରଫେସର ଡ. ରାମାନୁଜ ନାରାୟଣ ମୂଖ୍ୟ ଅତିଥି ଭାବେ ଯୋଗ ଦେଇ ସରଳ ଓ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ପ୍ରଯୁକ୍ତି ବିଦ୍ୟା ପାଇଁ ଉପାୟନ ବିଜ୍ଞାନର ଅଭିନବତ୍ୱ ଉପରେ ଅଭିଭାଷଣ ରଖିଥିଲେ । ବିକାଶ ପାଇଁ ସଦେଶା ପ୍ରଯୁକ୍ତି ବିଦ୍ୟା ଏବଂ ବିଶ୍ୱ ଭ୍ରମାୟ ଆହ୍ୱାନର ମୁକାବିଲା ତଥା ସମସ୍ତଙ୍କ ପାଇଁ ଅଧିକ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ଭବିଷ୍ୟତ ସୃଷ୍ଟି କରିବାରେ ବିଜ୍ଞାନ ଓ ପ୍ରଯୁକ୍ତି ବିଦ୍ୟାର ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ଭୂମିକା ଉପରେ ସେ ଆଲୋଚନା କରିଥିଲେ । ପ୍ରଗତି ଓ ନିରନ୍ତର ବିକାଶ ପାଇଁ ଉପାୟନ ବିଜ୍ଞାନ ଓ ବିଜ୍ଞାନ ବିଭିନ୍ନ ସମାଧାନର ଚାବି କାଠି ବୋଲି ସେ ମତବ୍ୟକ୍ତ କରିଥିଲେ । ବିଜ୍ଞାନ କ୍ଷେତ୍ରରେ ନିଆ

ଆଇଆଇଟିର ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ପ୍ରଫେସର ଶ୍ରୀପାଦ କର୍ମଳକର ଯୋଗ ଦେଇ ଗୁଣାତ୍ମକ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଶିକ୍ଷା, ମାତୃଭାଷାରେ ଶିକ୍ଷାଦାନ ପରାମର୍ଶ ମୂଳକ କାର୍ଯ୍ୟରେ ତାଙ୍କୁ ନଜର, ସମସ୍ତ ବ୍ୟବହାରିକ ସମସ୍ୟାର ବହୁମୁଖୀ ପ୍ରକୃତି ଏବଂ ଅଣ-ବିଶେଷଜ୍ଞ ବର୍ଗଙ୍କ ନିକଟରେ ଆବିଷ୍କାରକୁ ସରଳ ଭାଷାରେ ଯୋଗାଯୋଗ ଉପରେ ଗୁରୁତ୍ୱାରୋପ କରିଥିଲେ । ଆଲୋଚନାଚକ୍ରରେ ଉପାୟନ ବିଜ୍ଞାନ ଓ ଧାରବ ବିଦ୍ୟା ପରି ଖୋଜା ନଥିବା କ୍ଷେତ୍ର ଗୁଡ଼ିକ ବିଷୟରେ ଭୁଲ ଧାରଣା ହଟାଯାଇ ପାରିଥିବା ସେ ସୂଚନା ଦେଇଥିଲେ । ଆଇଆଇଟିର ଡିନ୍ ତଥା ପୋଷ୍ଟ ଗ୍ରାଜୁଏଟ ଆଣ୍ଡ ରିସର୍ଚ୍ଚ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଅଧିକାରୀ ପ୍ରଫେସର ଚନ୍ଦ୍ର ଶେଖର ନାରାୟଣ ଭେଣ୍ଡେ ସ୍ୱାଗତ ଭାଷଣ ଏବଂ ଅତିଥି ପରିଚୟ ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ ।

ଯାଇଥିବା ବିଭିନ୍ନ ଅନୁସନ୍ଧାନ ଓ ବିକାଶ ପ୍ରକଳ୍ପର ଉଦାହରଣ ମାଧ୍ୟମରେ ସେ ସ୍ୱାଗତ ଅର୍ପଣ ଓ ଭବିଷ୍ୟତରେ ଉଦ୍ୟୋଗୀଙ୍କ ପାଇଁ ବହୁ ମୂଲ୍ୟବାନ ତଥ୍ୟ ଉପସ୍ଥାପନ କରିଥିଲେ ।